Hindi Murli Quiz14-05-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"भारतवासी कहते हैं कि हमारा राज्य है। परन्तु उन बिचारों को पता नहीं है कि अभी हम विषय वैतरणी नदी में पड़े हैं। हम आत्मा का राज्य तो है नहीं। अभी तो आत्मा बिल्कुल उल्टी लटकी पड़ी है। खाने को भी नहीं मिलता है। जब ऐसी हालत हो जाती है तब बाबा सोचते हैं अब तो मेरे बच्चों को खाने के लिए भी नहीं मिलता है, अब मैं जाकर बच्चों को राजयोग सिखलाऊं। तब बाप शान्तिधाम से आते हैं राजयोग सिखाने।"**

- A. False
- B. True

Q.2) **आत्मा,जो भृकुटी में निवास करती है बाबा से बातें करती है । उन बातों को मुरली के अनुसार चयन करके स्पष्ट करें --**

- A. बाबा हम आपसे विश्व का स्वराज्य अवश्य प्राप्त करेंगे।
- B. बाबा हम आपका नाम जरूर बाला करेंगे।
- C. बाबा हम सपूत बनकर दिखायेंगे। आप हमारी चलन को देखते रहना कि कैसे चलते हैं।
- D. बाबा आप भी जान सकते हो हम अपने को राजतिलक देने लायक बने हैं या नहीं ।
- E. हम आपके मददगार सो अपने मददगार बन भारत पर अपना राज्य करेंगे।

Q.3) **वरदान पर आधारित इस एक्सरसाइज में सभी सही वाक्यों को चयन करें :-**

- A. अब लास्ट समय में मन्सा द्वारा ही विश्व परिवर्तन के निमित्त बनना है ।
- B. अब मन्सा का एक संकल्प भी व्यर्थ नही गंवाना है ।
- C. जब वाचा पर अटेन्शन हो तब चढ़ती कला द्वारा विश्व परिवर्तक बन सकेंगे।
- D. वर्तमान समय संकल्प की हलचल भी बड़ी हलचल गिनी जाती है, तो संकल्प में ही फुल स्टॉप चाहिए।

Explanation: जब मनसा पर अटेन्शन हो तब चढ़ती कला द्वारा विश्व परिवर्तक बन सकेंगे।

Q.4) **शब्दों /वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	सतयुग अर्थात हेविन में शैतान रावण कहाँ से आया।	हेल के मनुष्य वहाँ हो ही कैसे सकते।
B	अभी बाप रास्ता बताते हैं कि तुम स्वराज्य कैसे प्राप्त कर सकते हो,	उस रास्ते का नाम रख दिया है राजयोग।
C	सिखलाने वाला है बाप और कृष्ण बाप हो नही सकता।	वह तो बच्चा है फिर राधे के साथ स्वयंवर होता है तब एक बच्चा होगा।
D	मेहनत है बाप को याद करने में।	बाप कहते हैं कम से कम पुरूषार्थ कर 8 घण्टा तो याद करो।
E	भक्ति मार्ग में ज्ञान रिंचक मात्र नहीं ।	ज्ञान मार्ग में फिर भक्ति रिंचक मात्र नहीं।

Q.5) **"ब्रहमा बाप कहते हैं महिमा सारी उस एक की ही है, मैं तो उनका रथ हूँ। बैल नहीं हूँ। बलिहारी सारी तुम्हारी है, बाबा तुमको सुनाते हैं, मैं बीच में सुन लेता हूँ। मुझ अकेले को कैसे सुनायेंगे। तुमको सुनाते हैं मैं भी सुन लेता हूँ। मैं भी पुरूषार्था स्टूडेन्ट हूँ, तुम भी स्टूडेन्ट हो। मैं भी पढ़ता हूँ, बाप की याद में रहता हूँ । लक्ष्मी-नारायण को देख खुशी होती है - हम यह बनने वाले हैं।"**

- A. False
- B. True

Q.6) **"कर्म में -------- का अनुभव होना अर्थात् कर्मयोगी बनना।"**

[स्लोगन पर आधारित इस एक्सरसाइज में निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

- A. शान्ति
- B. हल्कापन
- C. सफलता
- D. योग

Q.7) **आज की धारणा पर आधारित इस एक्सरसाइज में ध्यान से पॉइंट्स चयन करें :-**

- **A.** ☑ हम स्टूडेन्ट हैं, भगवान हमें पढ़ा रहे हैं, इस खुशी से पढ़ाई पढ़नी है।
- **B.** ☑ अपने को राजतिलक देने के लायक बनाना है।
- **C.** ☑ सपूत बच्चा बनकर सबूत देना है। बाप का पूरा-पूरा मददगार बनना है।
- **D.** ☑ कभी भी पुरूषार्थ में दिलशिकस्त नहीं बनना है।
- **E.** ☑ चलन बड़ी रॉयल रखनी है।

Q.8) **जिस स्मृति में रहने से रावणपने की स्मृति समाप्त हो सकती है, उसे चयन करके स्पष्ट करें ----**

- **A.** ☐ अब हम रावण के राज्य में रह रहे हैं ।
- **B.** ☑ हम बड़े बाबा (शिवबाबा) से छोटे बाबा (ब्रह्मा) द्वारा वर्सा ले रहे हैं।
- **C.** ☑ सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरूष नहीं, हम आत्मा हैं ।
- **D.** ☑ स्मृति कि हम एक बाप के बच्चे हैं ।

Explanation: हमें रावण के राज्य को याद नहीं करना है बल्कि इसे भूलना है ।

Q.9) **"मीठे बच्चे, अपने को ----------देने के लायक बनाओ, जितना पढ़ाई पढ़ेंगे, श्रीमत पर चलेंगे तो ----------मिल जायेगा"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से दोनों रिक्त स्थान भरें]

- **A.** ○ सिन्हासन
- **B.** ○ ताज
- **C.** ○ तख़्त
- **D.** ◉ राजतिलक

Q.10) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	सब लोग तिलक और राजतिलक भृकुटी में ही देते हैं ।	क्योंकि इस जगह आत्मा का निवास है।
B	हम सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी महाराजा-महारानी बनने के लिए पढ़ते हैं।	यह पढ़ना गोया अपने लिए अपने को राजतिलक देना है।
C	बाप पतित-पावन भी है, ज्ञान सागर भी है।	यह सिवाए तुम्हारे और कोई की बुद्धि में नहीं है।
D	तुम अपने 84 जन्मों को भूल गये हो, 84 के बदले 84 लाख जन्म लगा दिये हैं ।	फिर कल्प की आयु भी लाखों वर्ष कह देते।
E	अभी तुम समझ गये हो कि हम विश्व के मालिक, सर्वगुण सम्पन्न थे ।	अभी कोई गुण नहीं रहा है।